राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान,
उत्तराखण्ड
National Institute of Technology,
Uttarakhand

Media Coverage

July 2022

दैनिक जागरण, रविवार, 03 जुलाई 2022, Page No.02

छात्र नौकरी लेने वाले नहीं देने वाले बनें : अवस्थी

- प्रो. ललित कुमार अवस्थी ने छात्र-छात्राओं से किया संवाद
- एनआइटी में प्रैक्टीकल ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट में हुआ कार्यक्रम

जागरण संवाददाता, श्रीनगर गढ़वाल :राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआइटी) उत्तराखंड श्रीनगर के प्रैक्टीकल ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट (पीटीपी) अनुभाग की ओर से आयोजित एक दिवसीय कार्यशाला में एनआइटी निदेशक प्रो. ललित कुमार अवस्थी ने छात्र-छात्राओं के साथ सीधा संवाद किया।

नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति के माध्यम से भारत एक बार फिर विश्व गुरु के रूप में जाना जाएगा। प्लेसमेंट को लेकर पीटीपी अनुभाग के प्रयासों की सराहना करते हुए इस सेक्शन का नाम बदलकर स्टूडेंट करियर काउंसिलिंग एंड प्लेसमेंट करने का भी उन्होंने सुझाव दिया। एनआइटी निदेशक प्रो. ललित कुमार अवस्थी ने कहा कि छात्रों को नौकरी तलाशने वाला नहीं वरन नौकरी देने वाला बनना चाहिए। जिसके लिए स्टार्टअप और उद्यमिता संस्कृति बहुत सहायक भी है।

पीटीपी अनुभाग के प्रभारी प्रो. हरिहरन मुथुस्वामी ने कहा कि शिक्षासत्र 2021-22 के 71 प्रतिशत से अधिक छात्र-छात्राओं का प्लेसमेंट अब तक हो चुका है। कम्प्यूटर विज्ञान और इंजीनियरिंग विभाग की सौम्या अग्रवाल को 34 लाख प्रतिवर्ष के पैकेज में प्लेसमेंट मिला है।

अमर उजाला, रविवार, 03 जुलाई 2022, Page No.06.

शिक्षकों ने छात्रों से किया संवाद

श्रीनगर। एनआईटी (राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान) उत्तराखंड के प्रयोगात्मक प्रशिक्षण एवं नियोजन (पीटीपी) विभाग की ओर से संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में संस्थान के निदेशक प्रो. ललित कुमार अवस्थी और छात्रों के बीच संवाद हुआ।

एनआईटी में आयोजित कार्यक्रम में प्रो. अवस्थी ने स्टार्टअप और उद्यमिता संस्कृति पर जोर दिया। उन्होंने सुझाव दिया कि स्टार्टअप और उद्यमिता पर हर महीने कम से कम एक कार्यशाला आयोजित की जानी चाहिए।

निदेशक ने प्रयोगात्मक प्रशिक्षण एवं नियोजन विभाग का नाम बदल कर स्टूडेंट्स कॅरिअर काउंसिलिंग एंड प्लेसमेंट सेक्शन करने का सुझाव दिया। उन्होंने राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) के तहत कार्यक्रम चलाने पर जोर दिया। पीटीपी प्रभारी डॉ. हरिहरन मुथुसामी ने बताया कि इस मौजूदा शैक्षणिक सत्र में अब तक 128 में से 91 छात्रों का प्रतिष्ठित कंपनियों में चयन हुआ है। संवाद

शिक्षा प्रणाली की खोई हुई महिमा को फिर से करें स्थापित

■ नौकरी तलाशने वाला नहीं बल्कि नौकरी देने वाला बनें: अवस्थी

शाह टाइम्स संवाददाता

श्रीनगर। राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआईटी) श्रीनगर के प्रैक्टिकल ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट (पीटीपी) अनुभाग द्वारा छात्रों के साथ संवाद कार्यक्रम आयोजित किया गया। छात्रों को सम्बोधित करते हुए एनआईटी के निदेशक प्रो. ललित कुमार अवस्थी ने संतोषजनक प्लेसमेंट रिकॉर्ड के लिए एनआईटी उत्तराखंड के पीटीपी अनुभाग के प्रयासों की सराहना की।

प्रो. अवस्थी ने प्रैक्टिकल ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेक्शन का नाम बदलकर स्टूडेंट्स करियर काउंस. लिंग एंड प्लेसमेंट सेक्शन करने का सुझाव दिया। इस मौके पर प्रो. अवस्थी ने संस्थान में राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) के तहत वैल्यू-बेस्ड आउटकम एजुकेशन, मल्टीपल एंट्री, मल्टीपल एग्जिट सिस्टम, फ्लेक्सिबल पाठ्यक्रम और क्रेडिट के अकादमिक बैंकों के आधार पर समग्र और बहु-अनुशासनात्मक दृष्टिकोण को लागू करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि एनईपी-2020 का समग्र लक्ष्य भारत की शिक्षा प्रणाली की खोई हुई महिमा को फिर से स्थापित करना है और हमारे देश को एक बार फिर विश्वगुरु के रूप में जाना जा सकता है। उन्होंने छात्रों से अपने करियर के प्रति प्रतिबद्ध रहने और अपनी सफलता के लिए कड़ी मेहनत करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि छात्रों को नौकरी तलाशने वाला नहीं बल्कि नौकरी देने वाला बनना चाहिए। उन्होंने संस्थान में स्टार्टअप और उद्यमिता संस्कृति की आवश्यकता पर जोर दिया और सुझाव दिया कि स्टार्टअप और उद्यमिता पर हर महीने कम से कम एक कार्यशाला आयोजित की जानी चाहिए। इससे छात्रों को देश और विदेश में नए स्टार्टअप के अवसरों को देखने में मदद मिलेगी। कार्यक्रम में पीटीपी प्रभारी डॉ. मुथुसामी ने वर्तमान शैक्षणिक वर्ष 2021-22 में पीटीपी अनुभाग की उपलब्धियों पर प्रकाश डालते हुए एक संक्षिप्त रिपोर्ट प्रस्तुत की। इस मौके पर पीटीपी के समन्वयक डॉ. कृष्ण कुमार आदि मौजूद थे।

हिन्दुस्तान, शनिवार, 09 जुलाई 2020, Page No. 04.

एनआईटी के लिए पेयजल योजना का शिलान्यास

- बिल्वकेदार से बनेगी पेयजल योजना
- शिक्षा मंत्री डॉ. धन सिंह ने शिलान्यास किया

श्रीनगर, संवाददाता उत्तराखंड एनआईटी का सुमाड़ी में कैंपस को पानी की योजना जोड़ने के लिए 21 करोड़ 13 लाख की लगात से पंपिग योजना का उच्च शिक्षा मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने शुक्रवार को शिलान्यास किया। उक्त योजना के बनने से कैंपस में पढ़ने वाले छात्रों, कर्मचारियों, अधिकारियों सहित लगभग 4200 लोगों के लिए पानी मुहैया कराया जायेगा। पेयजल निगम ने अगले साल जून माह तक बिल्वकेदार से अलकनंदा नदी से पंपिग योजना बनाने का लक्ष्य रखा है।

बिल्वकेदार में पेयजल योजना के शिलान्यास अवसर पर उच्च शिक्षा मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने कहा कि अस्थाई कैंपस का निर्माण भी प्रगति पर है, जिसका भी जल्द लोकार्पण किया जायेगा। एनआईटी के छात्र-छात्राओं को पूरी सुविधा देने का काम किया जायेगा। सुमाड़ी में उत्तराखंड का मॉडल एनआईटी बनकर तैयार होगा। इससे पूर्व उन्होंने शारदाघाट में बन रहे घाट का औचक निरीक्षण किया। जबकि ढामक चोपड़ा सड़क का भी निरीक्षण किया। उन्होंने अधिकारियों को गुणवत्तापरक कार्य करने के निर्देश दिये। पेयजल निगम के ईई आरसी मिश्रा ने बताया कि एनआईटी सुमाड़ी के लिए 21 करोड़ की योजना का शिलान्यास होने के बाद योजना जून 2023 तक बनकर तैयार हो जायेगी। अभी छह करोड़ रुपये निगम को मिले हैं। 10 करोड़ की डिमांड कार्य के अनुसार की जायेगी। मौके पर भाजपा मंडल अध्यक्ष गिरीश पैन्यूली, राजराजेश्वरी मंदिर के पुजारी कुंजिका प्रसाद उनियाल, मीडिया प्रभारी गणेश आदि थे।

15 हजार संस्थानों में एनआइटी श्रीनगर 131वें स्थान पर

- शुक्रवार को एनआइआरएफ ने जारी की है राष्ट्रीय रैंकिंग
- एनआइटी श्रीनगर के निदेशक ने फैकल्टी, कर्मचारियों और छात्रों को दिया श्रेय

प्रो. ललित कुमार अवस्थी
• जागरण

जागरण संवाददाता, श्रीनगर गढ़वाल : नेशनल इंस्टीट्यूट रैंकिंग फ्रेम वर्क (एनआइआरएफ) की रैंकिंग में राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआइटी) श्रीनगर गढ़वाल-उत्तराखंड ने देश के 15 हजार से अधिक संस्थानों के मध्य इंजीनियरिंग श्रेणी में 131वां स्थान हासिल किया है।

संस्थान की इस उपलब्धि का श्रेय एनआइटी श्रीनगर के निदेशक प्रो. ललित कुमार अवस्थी ने फैकल्टी, कर्मचारियों और छात्रों को दिया है। रैंकिंग में एनआइटी श्रीनगर को नवाचार, उपलब्धि श्रेणी में भी प्रोमेसिंग बैंड में एआरआइआइए पर मान्यता दी गयी है। इस रैंकिंग में एनआइटी ने 55 से अधिक अन्य देश के उच्च शिक्षा संस्थानों में एक महत्वपूर्ण छलांग भी लगायी है। संस्थान निदेशक प्रो. ललित कुमार अवस्थी ने कहा कि उभरती प्रौद्योगिकी में विषय अनुसंधान और विकास पहलुओं पर कार्य करने के लिए हम समर्पित हैं। संस्थान को आनलाइन मंच प्रदान करते हुए एनआइटी में उद्यम संसाधन योजना ईआरपी को भी लागू किया है। एनआइटी श्रीनगर के कुलसचिव डा. धर्मेंद्र त्रिपाठी ने कहा कि अपने पांच महीने के कार्यकाल में ही निदेशक प्रो. ललित कुमार अवस्थी ने संस्थान को राष्ट्रीय परिदृश्य में भी ला दिया, जो हम सभी के लिए गौरव की बात है।

आगामी शिक्षासत्र में एनआइटी का प्लेसमेंट शत प्रतिशत करने को लेकर निदेशक प्रो. ललित कुमार अवस्थी ने एनआइटी के साथ सहयोग करें नाम से एक ब्रोशर भी विकसित किया है। जिसके द्वारा संस्थान और विभिन्न उद्योगों के मध्य एमओयू, पाठ्यक्रम डिजाइन करने में उद्योग विशेषज्ञों की भागीदारी और बीटेक एमटेक से संबंधित विभिन्न परियोजनाएं शामिल हैं। प्रो. अवस्थी ने छात्रों के लिए बेहतर प्लेसमेंट के अवसर उपलब्ध कराने को लेकर करियर परामर्श सेल का भी गठन किया है। उनका कहना है कि एनआइटी उत्तराखंड का छात्र देश विदेश में नौकरी चाहने के बजाय नौकरी प्रदाता बन जाए।

अमर उजाला, शनिवार, 16 जुलाई 2022, Page No.05.

एनआईटी उत्तराखंड का एनआईआरएफ में 131वां स्थान

संवाद न्यूज एजेंसी

संस्थान के निदेशक ने दिया शिक्षकों, छात्रों और कर्मचारियों को श्रेय

श्रीनगर। राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआईटी) उत्तराखंड ने अभियांत्रिकी श्रेणी के अंतर्गत राष्ट्रीय संस्थागत रैंकिंग फ्रेमवर्क (एनआईआरएफ) 2022 में 131वां स्थान हासिल किया है।

संस्थान ने गत वर्ष की तुलना में 55 अंकों का सुधार किया है। गत वर्ष संस्थान को 186वीं रैंक मिली थी। संसाधनों के लिए जूझ रहे और अस्थायी परिसर में संचालित हो रहे संस्थान के लिए यह बड़ी उपलब्धि है।

शुक्रवार को केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय ने एनआईआरएफ-2022 की रैंकिंग घोषित की। इसमें श्रीनगर स्थित एनआईटी उत्तराखंड को देश के 15,000 इंजीनियरिंग संस्थानों में 131वां स्थान मिला है।

निदेशक प्रो. ललित कुमार अवस्थी ने बताया कि एनआईटी उत्तराखंड को नवाचार उपलब्धि (एआरआईआईए) 2021 में संस्थानों की अटल रैंकिंग में राष्ट्रीय महत्व के संस्थानों में प्रोमिसिंग बैंड (श्रेणी) में मान्यता दी गई है। इस उपलब्धि का श्रेय संकाय सदस्यों और कर्मचारियों के सदस्यों को जाता है।

उनके प्रयासों से संस्थान की रैंकिंग में और सुधार किया जाएगा जिससे यह संस्थान देश के अग्रणी तकनीकी संस्थानों में शुमार हो सके।

अमर उजाला, रविवार, 17 जुलाई 2022, Page No.07.

प्रतिष्ठानों में रोजगार का महत्व बताया

संवाद न्यूज एजेंसी

श्रीनगर। राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान में छात्रों के लिए कौशल विकास पर एक दिवसीय गोष्ठी का आयोजन किया गया, जिसमें एनआईटी सहित विभिन्न संस्थानों से पहुंचे अधिकारियों ने छात्रों को विभिन्न प्रतिष्ठानों में रोजगार की संभावना और स्वरोजगार के महत्व के बारे में बताया।

गोष्ठी के मुख्य अतिथि एनआईटी उत्तराखंड के कंप्यूटर साइंस के एचओडी डा. कमल कुमार ने कहा कि आधुनिक समय में कंप्यूटर साइंस के क्षेत्र में रोजगार की अधिक संभावनाएं हैं। रेलवे प्रोजेक्ट कंपनी के सुनील कुमार गुप्ता व अरुण कुमार ने छात्रों को कंस्ट्रक्शन के क्षेत्र में रोजगार के बारे में बताया। गढ़वाल विश्वविद्यालय के सेवा योजना के प्रशासनिक अधिकारी मोहन सिंह नेगी ने पंजीकरण की जानकारी दी।

अपने हुनर को निखारे युवा : डबराल

रुद्रप्रयाग। युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय के नेहरू युवा केंद्र ने युवा पहचाने अपना हुनर विषय पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया। जिला युवा अधिकारी राहुल डबराल ने युवाओं को बताया कि युवा जिस भी क्षेत्र में बेहतर कर रहे हैं, उस काम को और निखारें। उन्होंने सिंगल यूज प्लास्टिक के प्रति लोगों को जागरूक करने और पेपर बैग बनाने के लिए भी युवाओं से आमजन को प्रेरित करने को कहा। इस मौके पर कविता जुगराण, अभिलाषा पंवार, विजयपाल, राजेंद्र कुमार, सुमित नेगी, तनुज, अक्षय, अंकित आदि मौजूद थे। संवाद

इस मौके पर प्रधानाचार्य संजीव कुमार, कार्यदेशक देवेश्वरी रावत, राकेश चंद्र जखमोला, मेहताब सिंह पंवार, ओम प्रकाश नौटियाल, चंद्रशेखर, शमीम अहमद, किशन पंवार आदि मौजूद थे। संवाद

दैनिक जागरण, रविवार, 24 जुलाई 2022, Page N

एल्युमिनाई छात्रों के लिए प्रेरणा के स्रोत

श्रीनगर गढ़वाल: राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान उत्तराखंड के निदेशक की पहल पर संस्थान में शनिवार से आनलाइन एल्युमिनी टाक सिरीज अभियान शुरू हुआ। जिसमें एनआइटी संस्थान के पूर्व छात्र वर्तमान छात्रों को अपने अनुभवों से लाभान्वित करेंगे। एनआइटी उत्तराखंड के निदेशक प्रो. ललित कुमार अवस्थी ने कहा कि एल्युमिनाई शैक्षणिक संस्थान के सबसे मजबूत स्तम्भ होते हैं। (जासं)